

سُورَةُ الْبَيِّنَةِ

Surah 98 — Al-Bayyina (The Evidence) · Medinan · 8 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ لَمْ يَكُنِ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ وَالْمُشْرِكِينَ مُنْفَكِّينَ حَتَّى تَأْتِيَهُمُ الْبَيِّنَةُ

अहले किताब और मुशरिकों से जो लोग काफिर थे जब तक कि उनके पास खुली हुई दलीलें न पहुँचे वह (अपने कुफ्र से) बाज़ आने वाले न थे

2

رَسُولٌ مِّنَ اللَّهِ يَتْلُو صُحُفًا مُّطَهَّرَةً

(यानि) खुदा के रसूल जो पाक औराक़ पढ़ते हैं (आए और)

3

فِيهَا كُتِبَ قِيمَةٌ

उनमें (जो) पुरज़ोर और दरूस्त बातें लिखी हुई हैं (सुनाये)

4

وَمَا تَفَرَّقَ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ إِلَّا مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَةُ

अहले किताब मुताफ़रि़क़ हुए भी तो जब उनके पास खुली हुई दलील आ चुकी

5

وَمَا أُمِرُوا إِلَّا لِيَعْبُدُوا اللَّهَ مُخْلِصِينَ لَهُ الدِّينَ حُنَفَاءَ وَيُقِيمُوا الصَّلَاةَ وَيُؤْتُوا الزَّكَاةَ وَذَلِكَ دِينُ الْقِيَمَةِ

(तब) और उन्हें तो बस ये हुक्म दिया गया था कि निरा खुरा उसी का एतकाद रख के बातिल से कतरा के खुदा की इबादत करे और पाबन्दी से नमाज़ पढ़े और ज़कात अदा करता रहे और यही सच्चा दीन है

6

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ وَالْمُشْرِكِينَ فِي نَارِ جَهَنَّمَ خَالِدِينَ فِيهَا ۖ
أُولَٰئِكَ هُمْ شَرُّ الْبَرِيَّةِ

बेशक अहले किताब और मुशरेकीन से जो लोग (अब तक) काफ़िर हैं वह दोज़ख की आग में (होंगे) हमेशा उसी में रहेंगे यही लोग बदतरीन ख़लाएक हैं

7

إِنَّ الَّذِينَ ءَامَنُوا ۖ وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ ۖ أُولَٰئِكَ هُمْ خَيْرُ الْبَرِيَّةِ

बेशक जो लोग ईमान लाए और अच्छे काम करते रहे यही लोग बेहतरीन ख़लाएक हैं

8

جَزَاؤُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ جَنَّتٌ عَدْنٌ ۖ تَجْرَى مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۖ
رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا ۖ عَنْهُ ۖ ذَٰلِكَ لِمَنْ خَشِيَ رَبَّهُ ۖ

उनकी जज़ा उनके परवरदिगार के यहाँ हमेशा रहने (सहने) के बाग़ हैं जिनके नीचे नहरें जारी हैं और वह आबादुल आबाद हमेशा उसी में रहेंगे खुदा उनसे राज़ी और वह खुदा से खुश ये (जज़ा) खास उस शख़्स की है जो अपने परवरदिगार से डरे